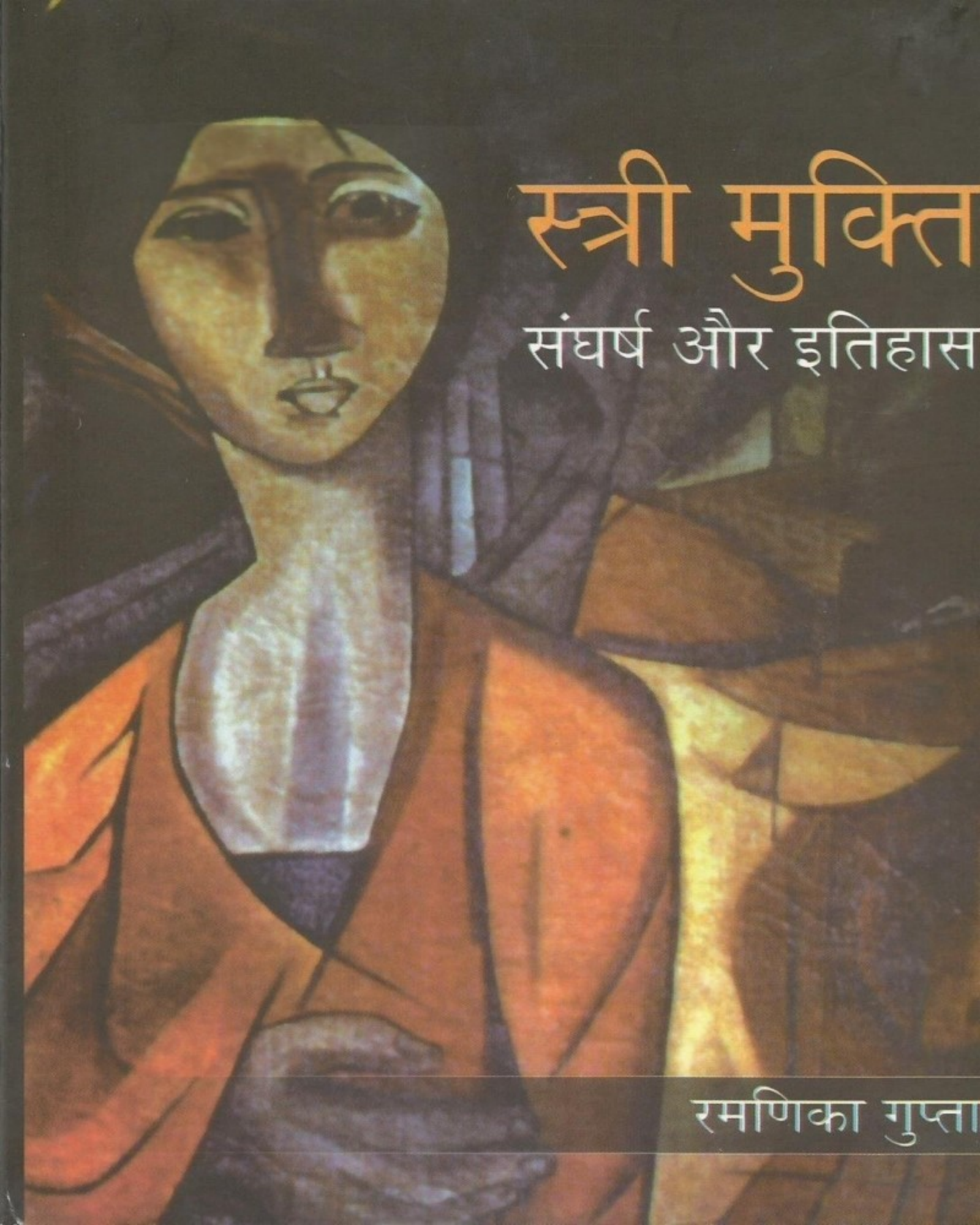

स्त्री मुक्ति

संघर्ष और इतिहास

रमणिका गुप्ता

स्त्री-मुक्ति
संघर्ष और इतिहास
(स्त्री विमर्श)

उन युवक-युवतियों को, जो जोखिम उठाकर जाति, धर्म, गोत्र व परिवार के दायरे तोड़, समाज की वर्जनाएं नकार, जीवन-साथी के चयन के अधिकार के लिए मरने से भी नहीं डरे।

अनुक्रम

निवेदन 9

मुक्ति अवधारणा और इतिहास

नाम की खोज में स्त्री की यात्रा 15

स्त्री-मुक्ति की अवधारणा : इतिहास और वर्तमान 21

मुक्ति के सपने देखती औरतों के अलग-अलग धरातल 32

पुरुष-निर्मित सौंदर्य-कसौटी पर खुद को तोलती है औरत! 43

धर्म, जाति व पितृसत्ता में जकड़ी स्त्री 47

हमारी भाषा भी स्त्री-विरोधी है 57

स्त्री-विमर्श ने स्त्री को वस्तु से व्यक्ति बनाया 61

सृजन-धर्मा स्त्री ने निर्मित की बेबाक स्त्री की छवि 67

बेबाक स्त्री की छवि को धूमिल करने की मुहिम 76
चरित्रहीनता के पुरुष हथियारों को हँस कर टाला नहीं जा सकता 87
मुक्त नहीं हुई औरत 95
जरूरी है स्त्रियों में मुक्ति की इच्छा जगना 100
स्त्री और नैतिकता 104
पार्वती किसकी? 120
पुरुषों ने स्त्री की देह पर कोख उगा दी 124
निचले हिस्से का सच 130
नंगा हो मत नाच! 139
कहां से शुरू हुई डायन की प्रथा 152
आदिवासी संस्कृति और साहित्य में स्त्री का दर्जा 155
मुक्त औरत की बानगी 163

स्त्री-संबंधी कानून

जागेगी औरत तभी बनेगी बात 169
स्त्री हिंसा के खिलाफ सामाजिक मुहिम जरूरी 173
विवाह पूर्व यौन संबंध : मर्जी पर छोड़ें देह का रिश्ता 181
शादी का पंजीकरण : समय की जरूरत, पर खतरे से खाली नहीं 189
भ्रूण-हत्या : स्त्री के वज़ूद पर खतरा 194
संभोग से इंकार पति का उत्पीड़न कैसे? 199
आखिर फिर टल गया स्त्री आरक्षण बिल 203